दिनेश
07868-263650

आंवरी (चारामा)
जिला - कांकेर (छ.ग.)

पिन 494337

क्र........................

पूज्य बाबा जी ,

सादर प्रणाम ।

दसवें जीवन विद्या राष्ट्रीय सम्मेलन की प्रस्तुति की रिर्पोटिंग के लिए आपने मुझे कहा था। मै जैसा सुन,समझ पाया उसके आधार पर एक संक्षिप्त प्रतिवेदन आपके अवलोकनार्थ भेज रहा हूं । दोनो दिन सम्पादित हुए विशेष गोष्ठी - मूल्य आधरित शिक्षा एवं मानवीय संविधान विषय पर हुई संगोष्ठी की रिर्पोटिंग आ. सुरेन्द्र पाठक जी करेगें ।

बाबा आपके अर्शीवाद की कामना से

(1.) संलग्न प्रपत्र - पता सूची 2 पृष्ठ

आपका दिनेश
3/10/04
आंवरी

साधन का सदुपयोग ही विकास है ।
साधन का दुरुपयोग ही ह्रास है ।

दसवां जीवन विद्या राष्ट्रीय सम्मेलन

हिन्दी भवन भोपाल, संयोजक - श्री सुरेन्द्र-सुनीता पाठक दिनांक 1 से 3 अक्टुबर 04

प्रथम दिवस -अतिथियों केस्वागत के बाद विद्या के अभियान मे बाबा जी के साथ लगे मूलत: सहभागी लोगो की प्रस्तुति हुई। अपरान्ह 5:30 से 8 बजे रात्रि तक शिक्षा के मानवीय करण विषय पर संगोष्ठी रखी गई जिसका विस्तृत प्रतिवेदन आ.सुरेन्द्र पाठक जी प्रेषित करेंगे।

द्वितीय दिवस - का शुभारंम्भ श्री मति शुभ्रा ठाकुर, श्री मति रश्मि चतुर्वेदी ,एवं सरिता खरे जी के वंदना गीत से हुआ।

देश भर में विद्या के अभियान की दृष्टि से आये प्रमुखों की प्रस्तुति निम्नानुसार रही।

भोपाल - श्री सुरेन्द्र पाठक जी - आ. साधन जी की शिविर हुई 10 में 6 अभी भी जुडे हुए है। मूल्य परख शिक्षा के लेख को माखन लाल चतुर्वेदी विश्व विद्यालय पत्रकारिता विभाग में समावेश हो ऐसा प्रयास किया गया पर ऐसा हो नही पाया है। मानवीय संविधान के लिए बाबा के सनिध्य में जजो के साथ बैठक हुई पर विवादास्पद हो गया।100 लोगो से चर्चा हुई है (फिटबेक आनी है)एक संस्था बनाई है ''सम्बन्ध पहचानों रिश्ता जोडों ''। 70 परिवार के साथ स्वतंत्र कार्यक्रम किया गया। यह हो रहे कार्यक्रम से क्या कुछ हो सकता है। मार्गदर्शन चाहिए। लोक व्यापी करण के लिए क्या करना चाहिए इस बिन्दु पर चर्चा हो।

दिल्ली-रमेश रस्तोगी जी - लोकव्यापीकरण के लिए क्या करना चाहिए यह निर्णयन का बिन्दु है। प्रबोधको की आवश्यकता है। एकरूपता कैसे हो। एक एक मोती को माला बनने की जरुरत है। आपस में संवाद के लिए न्यूज बुलेटिन का प्रकाशन हो।

कानपुर-श्री कुमार संभव जी - गति बढती जा रही है। स्वरुप भी बदल रहा है । 8 दिन का पूर्ण आवासीय शिविर होता है। 50 नये साथी जुडे है। 25 परिवार काफी दमदार लोग है। इंजिनियरिंग कालेज के 50 एवं एच बी.टी.आई के 10 शिक्षक जुडे है। 10 छात्र इस आधार पर जीने का प्रयास कर रहे है। पिपरा गांव के नवयुवको के साथ कार्यक्रम बन रहा है।परिहर में 40 एकड जमीन क्रय किया गया है। हमारे मित्र संदीप पाण्डे लखनउ भी - उत्तर प्रदेश में शिक्षा की वस्तु में विद्या को कैसे समावेश करें इस बिन्दु पर प्रयास रत है। मूल्यांकन -1. स्वयं का प्रमाणित होना है। 2. इसे योजना बद्ध ढंग से ले पाये इसके लिए स्वाध्याय ,स्वमूल्यांकन,स्वावलम्बन आवश्यक है। 3. एक गतिविधि लेकर सामाजिक काम प्रारंभ करें।

गोबिन्दपुर - तेज पाल :- गोबिन्दपुर एक तरह से देश भर मे संचालित विद्या के काम के लिए केन्द्र के रूप में रहा है। यहां से परिवार मानव पत्रिका प्रकाशित होती है। राष्ट्र व्यापी अभियान को गति प्रदान करने के लिए आ. रणसिह आर्य जी को संस्थान के कार्यभार से मुक्त करते हुए संस्थान को आगे चलने की जिम्मेदारी स्वयं लिए।

बुलन्द शहर -भारत भूषण त्यागी - हर महिने 15-20 लोगों का संस्थान में आना जाना बना रहता है। पहले उमंग था पर दृष्टिकोण पूरा नही था। बचो के साथ जीने का अच्छा अनुभव हुआ। मै बैलेस रहता हूं। क्षेत्र भी स्वीकारने लगा है। ये काम का आदमी है। ऐसा लगने लगा है। मधु पालन में 500 से 600 लोगों को प्रतिवर्ष प्रशिक्षण देकर काम में लगा देने का काम संस्थान से होता है। अपना बिगडा बेटा 8-10 दिन के लिए हमें दे दो। शिक्षा के लिए यहां पर सार्थक प्रयास हो रहे है।

बांदा -प्रेमभाई 50-60 कार्यक्रम हुए, ऐसा लग रहा था कि अब स्वराज्य आ जायेगा। आवासीय विद्यालय बंद किया गया।अनुभव से गुज रहा हूं। परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य का काम गांव से ही होगा। महिलाओं की सहभागिता नही होने के कारण अभियान में गति कम है। स्वावलम्बन के दिशा में सफल प्रयोग हो रहे है। बडोखर में शोध अनुसंधान के लिस सादर आमंत्रण है।

बिलौरी (मुरादाबाद)-अशोक सिरोही - साथियों मै जीन्दगी में फंसा नही रहा, झेला नही। किसान आन्दोलन को छोडा दिया। पहले ही शिविर मे अच्छा लग गया। अभियान में जल्द बाजी नही है। गांव के साथीयो के साथ चर्चा प्रारम्भ है। प्रति रविवार को मिटीग वर्ष भर से नियमित चल रहा है। होम्योपैथी चिकित्सा चल रहे है।

झाबुआ - जगदीश सिसादिया - झाबुआ के काम में गणेश जी कि भागी दारी रही 96 से 99 तक शिविर का क्रम चलता रहा। गांव के एक व्यक्ति ने 20 नवयुवको को अपने साथ अपने घर में रख कर अभियान जैसा भी चलाये। मेरा छोटा भाई 2 वर्ष तक मानवीय शिक्षा संस्कार संस्थान कानपुर में रहा है। 6 महिने के लिए बाबा के पास रहेगा। परिवार मानव मेरे लिए अध्ययन की वस्तु है। प्रबोधको को आमंत्रण है।

अभ्युदय संस्थान रायपुर - आ. अंजनी अग्रवाल - इंजिनियरिंग कालेज में सार्थक प्रयास हो रहे है। दस लोग शिविर लेने जाते है छोटे बचों के साथ तृप्ति के साथ जीने का प्रयास है। गांव के जो साथी संस्थान में शिविर करने आते है वे वापस जा कर परिवार मूलकग्राम स्वराज्य योजना के बारे में सोचने लगे है। ऐसा ही एक गांव कपाल फोडी के 50 -60 लोग संस्थान आकर शिविर कर लिए है वहां 20 हजार जेड्रोफा का पौधा रोपा गया है।

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

रायपुर -श्रीमति शुभ्रा ठाकुर - अभ्युदय संस्थान से जुडे 5 बहने शिविर लेने लगी है। रायपुर आकाशवाणी के माध्यम से जीवन स्पन्दन एक कार्यक्रम चलाया जा रहा था इसी तरह से और सिरियल एवं फिल्म धारावाहिक के रूप में प्रसारित करने की योजना है।

जबलपुर - आ. धीरेन्द्र चतुर्वेदी - शासकीय सेवा में जहां भी रहे विद्या के आधार पर जीने एवं अभियान में भागीदारी करने का प्रयास कर रहा हूं।

आई.आई. टी. दिल्ली- आ. प्रवीण सिह - आई.आई. टी. दिल्ली में विद्या की बात को फैलाने का पूरा प्रयास है। वहां पर तीन तरह के पाठयक्रम तैयार हुए है। 1. बौद्ध वेदान्त के आधार पर 2. स्व चितन के आधार पर 3. मूल्य शिक्षा आधरित तीनो के सविलियन की बात हुई पर मूल्य आधरित शिक्षा वाले लोग तैयार नही हुए।

अमरावती - सत्य प्रकाश भारत (मैत्री) - पूर्व में गांधी,टालस्टाय आदि के विचारो से प्रभावित होकर समाज में काम प्रारम्भ किया। गांधी के माध्यम से समझा था कि त्याग,अहिसा मुख्य बात है। विद्या में समझ में आया की त्याग बगैर कोई बात नही है। जहां भी बात रखी लोग मौन हो जाते है। मै कौन हूं?मेरी आवश्यकता क्या है? प्रयोजन क्या है?इस आधार पर बात रखता हूं।स्वाभिमान स्वावलम्बन में बाबा को छोड कर और कोई मुझे नही मिला। देश भर में और ऐसे अनेक कई संस्था है जिनके लोगो से चर्चा करनी चाहिए। शिक्षण संस्थान की आवश्यकता है।

कार्य क्रम के अध्यक्ष श्री साहनी जी के द्वारा समीक्षात्मक व्यक्तव्य -

1. लोक व्यापी करण हेतु चर्चा हो।
2. जो जहां है वही से काम प्रारम्भ करें।
3. संगठन की जरुरत नही है।
4. प्रबोधको की कमी है।
5. टी बी केबल आदि का उपयोग किया जा सकता है।
6. स्वावलम्बन पर चर्चा हो।
7. स्वास्थ संयम के स्वरुपों पर चर्चा हो।
8. न्याय सुरक्षा नीति के स्वरुपों पर चर्चा हो।

मध्यान्ह भोजन के बाद दूसरे सत्र की प्रस्तुति के क्रम में

एटा - श्री नंद जी - 4 वर्ष से विद्या के सम्पर्क में आया। कृषि स्वावलम्बन पर ध्यान जाने लगा है।

उडीसा - अक्षय जी - आर्थिक चितन पर भी बात को सर्वागणीय दृष्टि से रखी जाये।

रायगढ -अभय पाण्डे - विभिन्न सामाजिक संगठन बनाकर काम किया। साक्षरता मिशन,वाटर शेड मिशन आदि। वर्तमान में लोक शक्ति संगठन के साथ काम चल रही है। लोकशक्ति के 70 लोग दो ग्रुपों में अछोटी में आकर शिविर किये है।

विदिशा- सतीश चन्द्र सक्सेना - कालेज में प्राध्यापक के पद पर हूं। कालेज में लेक्चर आदि नियोजित करनी है आ.गणेश जी का सहयोग चाहिए। छोटा संगठन बना है। स्वस्थ के लिए कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। कालेज में अध्यात्म केन्द्र खोला गया है जिसमें विद्या की बात को रखने का प्रयास है।

कांकेर -श्री बी. एल. श्रीवास्तव - कांकेर के समीप लाल माटवाड में कार्य क्रम प्रारम्भ किया गया था हम लोग सफल नही हो पाये। स्कूलों में अपनी बात को रखने का प्रयास करता हूं।

आंवरी - दिनेश जैन - आ. राजन महराज जी के सनिध्य में समाज में कही रचनात्मक काम हो इस आशा से आंवरी में गायत्री परिवार की ओर से काम प्रारम्भ हुआ। शुरुआती दिनों में आंवरी में बहुत सारे काम हुए। छत्तीसगढ राज्य गठन के बाद रायपुर के समीप अछोटी में अभ्युदय केन्द्र की स्थापना हुई। ठीक से कहा जाय तो अछोटी के सभी कार्यवाहकों की मूल तैयारी आंवरी में ही हुई है। सुश्रीअर्चनाजी के कानपुर जाने के बाद आंवरी एक तरह से सुना हो गया। आंवरी मूलत: गायत्री परिवार के केन्द्र के रूप में विकसित हुआ था। विद्या की बात तो आस्था नही विश्वास की बात है। वहां के जो भी कार्य कर्त्ता थे उन सभी की समान गति नही बन पाया। सभी मूल्यांकन के लिए तैयार नही हो पाये। इस प्रकार विद्या के 2-3 व्यक्ति ही रह गये। इस घटना से एक बात तो स्पष्ट हो गया कि काम सम्बन्ध के आधार पर ही होते है संगठन के आधार पर नही। प्रज्ञा पीठ आश्रम आंवरी को संचालन के लिए शांति कुंज हरिद्वार को सौप दिया गया। अभी आंवरी को मूलत: स्थापित करने वाले 8-10 परिवार के सभी लोगो के साथ सतत शिविर सम्पन्न हुआ है। प्रति माह एक शिविर चलाने की कार्य योजना है।आगे एक एक शिविर एक एक परिवार अपनी व्यवस्था अनुसार स्वयं नियोजित करने की बात तय हुई है। ये परिवार भविष्य में एक केन्द्र के रूप में विकसित हो सकते है।

दुर्ग -श्री मति सरिता खरे - बाबा से 99 में सम्पर्क मेंआया पेशे से शासकीय शिक्षिका होने के कारण सीधे बचों से लगाव है। बाबा से जीवन को दिशा मिली ,मानवीय शिक्षा परम्परा में योगदान। शिक्षा से ही संस्कार संभव है। जीव चेतना ,मानव चेतना को सामने रखते हुए कार्यक्रम हेतु चितन और अध्ययन निरंतर जारी है।

कार्य क्रम के अध्यक्ष श्री पवन गुप्ता जी के व्यक्तव्य - अभियान गति पकड रही है। आपस में बैठकर और बरिकी से बाते हो।

अपरान्ह 5:30 से 8:00 बजे मानवीय संविधान पर विचार परख गोष्ठी सम्पन्न हुई जिसका विस्तृत रिर्पाट आ. सुरेन्द्र पाठक जी प्रेषित करेगें।

अंतिम दिवस समापन सत्र -

देश भर में चल रहे अभियान की दिशा धारा की समीक्षात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए आगामी कार्ययोजना तय करने के क्रम में निम्न प्रस्तुतियां रखी गई।

आ. सोमदेव त्यागी अभ्युदय संस्थान अछोटी - विद्या के लोक व्यापी करण के लिए प्रबोधको की तैयारी आवश्यक हो गई है। विद्यालय संचालन के लिए समाधान,समृद्ध परिवारो की तैयारी आवश्यक है जो स्वयं स्व स्फूर्त अभियान में भागीदारी कर सके। विद्यालय का स्वरुप कक्षा एक से कालेज स्तर पर कैसा हो ? बच्चे कहां से आयेगें ?क्या अभिभावक ऐसे स्कूल में अपने बच्चो को पढने के लिए तैयार होगें ?वर्त मान में राजनीतिक प्रभावों का इस्तमाल कैसे क्या करें / नही करें? आदि आदि विचारणीय बिन्दु है। मुझे समाधान की पूर्ण संभावना नजर आ रही है।

आ. साधन भट्टाचार्य अमरकंटक ....

आ. रणसिह आर्य जी बिजनौर - सम्मेलन सह चिंतन में लगे।सम्मेलन के साथ अन्य कोई मिटींग या गोष्टी ना हो इस बात का ध्यान रखी जावें। प्रबोधको की तैयारी आवश्यक है-अभिव्यक्ति स्वस्फूर्त हो, पुराने प्रबोधक उन्हे उन्हे अवसर दे। जीने के आधार पर बात हो। अमरकंटक के लिए शिविर, कार्यशाला आदि तय हो।एक संस्थान दूसरे संस्थान के एवं एक परिवार दूसरे परिवार के लिए बौद्धिक समाधान के रूप में पूरक कैसे बने यह विचारणीय बिन्दु है। शिविर के लिए प्रबोधक एक स्थान से दूसरे स्थान में जाये। स्वावलम्बन,कृषि आदि के लिए एक दूसरे के पूरक हो। अभ्युदय की प्रस्तुति में बाबा जी के जीवन दर्शन पर एक फिल्म बनाने की बात रखी गई इसके लिए कैसा,क्या सहयोग चाहते है उसे स्पष्ट करें ताकि पत्रिका में प्रकाशित किया जा सके। पत्रिका के लेख आदि पर भागी दारी हो। वर्तमान में कालेज चलाने की अभी हमारी सामर्थता नजर नही आ रही है।विश्वविद्यालय आदि पर चिंतन परिवार मूलक आधार पर है। सम्मेलन के स्वरुप और कैसे ठीक हो इस बिन्दु पर चिंतन होना चाहिए। शिविर के विषय वस्तु पर पूरक पुस्तिका बने ताकि प्रबोधको को एवं शिविर के बाद शिविरार्थीयों को भी वह पुस्तिका उपलब्ध कराई जा सके। उर्जा के विकल्पो के शोध के साथ साथ उपलब्ध उर्जा के सदुपयोग पर भी ध्यान जाये एवं दुरुपयोग कैसे रूके इस विषय पर भी ध्यानाकर्षण लेख लिखे जाये। परिवार मानव पुस्तिका के लिए प्रबोधक एक एक रसीद बुक रखे। पत्रिका के लिए रसीद हेतु अभ्युदय संस्थान से सम्पर्क करें। पिछला व्यय आदि के लिए आ. राजन महराज जी से पूरा करने का निवेदन किया गया। राष्ट्रीय अभियान के लिए संयोजन समिति तय होनी चाहिए। संचालन के लिए अगले सम्मेलन तक स्वरूप तय हो जाना चाहिए तब तक के लिए साधन जी इसे समन्वयन करेगें।प्रबोधक कौन कौन है या तय होना चाहिए। वर्तमान में परिवार मानव को संचालित करने में ही पूरी उर्जा लग रही है। अत: अलग से न्यूज बूलेटिन प्रकाशित करना अभी संभव नही है। परिवार मानव में ही एक पन्ना न्यूज बुलेटिन के रुप लगा सकते है। अगला सम्मेलन बोधि ग्राम मसूरी में होगा।

पवन गुप्ता मसूरी -1. बाबा के सहित्य के अलावा और कैसे सरल एवं अच्छे ढंग से विद्या के समग्र दर्शन को लिखा जाय। जितना समझ पाते है जी नही पाते है कारण1. मान्यताओं पर ध्यान नही गया। 2.आदत सा बन गया है। 3.बाहर का वातावरण ही ऐसा है। स्कूल के स्वरूप पाठयक्रम के बारे में सोचे स्कूल का नाम क्या हो?पाठयक्रम कैसा हो ? मानवीय कृषि का स्वरुप कैसा हो ?विद्या के आधार पर पशुपालन कैसा हो ? स्वावलम्बन कैसा हो ?

दिल्ली - रमेश रस्तोगी - परिवार मानव पत्रिका त्रैमासिक हो। न्यूज बूलेटिन मासिक प्रकाशित हो। दर्शन पर शोध होना बाकी है।

जबलपुर -धीरेन्द्र चतुर्वेदी - अभी अध्ययन की वस्तु परिवार मानव पत्रिका ही है जो हमें सम सामयिक धटनाओं से अवगत करती है। हमें पत्रिका का बेसब्री से इंतजार रहता है अत: किसी भी कठिनाई में पत्रिका का मासिक अनिवार्य रुप से हो। दस दस आजीवन सदस्य बनाने पर ध्यान देवे।

डां संकेत ठाकुर अभ्युदय रायपुर - बाबा का विषय समग्र चिंतन है और शोधों की आवश्यकता है।

रामजी भाई - इस प्रकाश में कोई भी भाई छुटे ना। सम्मेलन एवं समारोह में अन्तर है समिति में सम्मति को ध्यान रखने की आवश्यकता है। सम्मेलन समारोह में समिति का स्वरूप बने। जहां जो प्रयोग कर रहे है सभी अभियान में समान रूप से भागीदार है। सबसे अधिक प्रेम से जुडे।

आ. राजन शर्मा अभ्युदय रायपुर -

1. दुनिया के दस देश के लोग विद्या के सम्पर्कमें आये है।
2. अर्न्तराष्ट्रीय मंचों में विद्या की बात होने लगी है।
3. चर्तु आयामी चिकित्सा को लेकर हमारे मित्र डां ओम तिवारी एवं पार्थ राह ने डांक्टरों के विश्व सम्मेलन में बात रखी गई।अलग से पांच दिन उन्हे और सुना गया।
4. भारत में भी 1 माह 3 माह 6 माह एवं 1 वर्ष अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम बने।
5. दुर्ग में ललित चन्द्राकर जी जीवन विद्या ट्यूशन के रूप में एक कोर्स चलाते है।

6. बाबाजी के 85 वर्ष की शरीर यात्रा का पूरा फिलमांकन हो इस लिए जिन जिन स्थानों में बाबाजी रहे। उन उन स्थानो की चित्र कथा बाबासे जुडे संस्मरण ,घटना आदि हो तो अभ्युदय संस्थान भेजे।
7. विदेशों से भी लोग यहां दर्शन को पढने आने लगे है।
8. पुस्तको का हिन्दी से अग्रेजी एवं अन्य भाषा में अनुवाद होने की आवश्यकता हो रही है।
9. विश्व विद्यालय के कार्य में विद्या की बात पढाई जाये ये प्रयास अवश्य ही होनी चाहिए।

समापन कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री गणेश बागडिया ने पूरे सम्मेलन के प्रस्तुति के आधार पर एवं विद्या के लोक व्यापी करण की दृष्टि से सार संक्षेप में अपनी बातें रखी - हमें अभियान के गति का ठीक ठीक आकंलन करना चाहिए। अभी क्या स्थिति परिस्थिति है एवं हमारा क्या लक्ष्य है यह तय होनी चाहिए।

1. 70 के दशक में बाबा 1 व्यक्ति रहे।
2. 80 के दशक में इसे समझा जा सकता है ये स्थिति बनी।
3. 90 के दशक में समझा ,जीया,समझाया जा सकता है इस स्थिति में आये।
4. 2000 में समझा ,जीया, समझाया और लोक व्यापी करण किया जा सकता है एवं इसकी परम्परा बन सकती है ये स्थिति में आयें।

यदि लक्ष्य की दृष्टि से

1. 10 वर्ष में समझूं
2. 10 वर्ष में 10 व्यक्ति तैयार करना तो 100 साल में पूरे विश्व में बात फैल सकता है।
3. अभी 100 व्यक्ति हमेशा चितन करने में लगें है।
4. 10 व्यक्ति मूल्यांकन करने में लगे है।
5. संगठन सम्बन्ध के आधार पर ही चलेगी।
6. 1:10:100 के लिए और मेहनत की जरूरत है पारंगत हूं,प्रमाणिक हूं।
7. अच्छे चिन्तन वालो की सूची तैयार होनी चाहिए इससे लोक व्यापीकरण में सहयोग मिलेगी।
8. प्रबोधको के लिए बाबा की पुस्तिका आधार बिन्दु है ऐसा प्रकाशन आवश्यक है।
9. परिवार एवं शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकता है।
10. परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य के आधार पर आंवरी ,अभ्युदय सिद्द में अच्छे प्रयोग हो रहे है।
11. बाबा के सहित्य प्रकाशन में आई है अडियो विडियो सीडी उपलब्ध है।
12. परिवार मानव के अलावा मसूरी सिद्ध संस्था द्वारा प्रकाशित दो पत्रिका हिमालय रैबार,सिद्ध अर्थ में भी विद्या की बाते प्रकाशित हो रही है।
13. राष्ट्र व्यापी अभियान के समन्वयन के लिए एक व्यक्ति (श्री साधन जी का नाम)तय हुआ है।आगे सम्बन्ध के आधार पर तय होगा नाम के लिए चर्चा होते रहना चाहिए।
14. विगत वर्ष मसूरी में प्रबोधको के लिए शिविर शुरू हो गया है ये अच्छा क्रम है।
15. बाबा के सहित्यों का अन्य भाषा में अनुवाद की आवश्यकता हो रही।

योजना :-

1. लोक शिक्षा योजना विभिन्न भागो में चर्चा देश विदेश में अन्तराष्ट्रीय मंचों में चर्चा होने लगी है।
2. अभी तक परिचयात्मक शिविर ही हुआ है। अध्ययन एवं अनुभव शिविर होना है।
3. शिक्षा के मानवीय करण पर सिद्द, बिजनौर,कानपूर, रायपुर में प्रयास हो रहे है।
4. विद्या के वस्तु को मध्य में रख कर शिक्षक स्कूल ,और पाठयक्रम तैयार होने है।
5. इंजिनियरिग कालेज में अच्छा काम हुआ है। पाठयक्रम अधिकार पूर्वक रखी जा या कही जा सकती है।
6. मूल्य आधरित शिक्षा दिल्ली आई आई टी की चर्चा फैली है।
7. अनुभव शिविर को और अच्छे ढंग से रखने की आवश्यकता है।

आ. सिन्धु जी - बाबाजी मै आपकी कृपा दृष्टि से ही जी पा रहा हूं। अब या शरीर साथ नही दे रहा है,यदि मेरे पास सार्मथ रहता तो मै जंगलो में रह रहे उन गरीब आदिवासी,हरिजनो को घूम घूम कर बताउ येसा लगता है। यह भारत से उपजी विद्याहै इसका विस्तार अपने देश में अधिक हो,प्रबोधक अहंकार मुक्त होवे। सभी के लिए सहयोगी बनें। यही मेरा आर्शीवाद है।

बाबा जी का आर्शीवचन - आर्शीवाद के वचन में बाबाजी ने सबके मंगल मयता एवं सब प्रमाणित हो इसकी कामना किये।

आभार श्री सुरेन्द्र पाठक -आप लोगो ने मेरे उपर भारोसा किया कीसुरेन्द्र व्यवस्था बना लेगा।आप सब मेरे आमंत्रण को स्वीकार कर आये मै आप सब लोगो का हृदय से आभारी हूं।

जीवन विद्या परिवार का पता

दिनेश जैन

07868-263650

(भूमि स्वर्ग हो, मनुष्य देवता हो, धर्म सफल हो, नित्य मंगल हो ॥)

आंवरी (चारामा)

जिला-कांकेर (छ.ग.)

क्र	नाम	पूरा पता	कोड नं.	निवास	कार्यालय	मोबाइल नं.
1	पूज्य ए.नागराज (बाबा जी),	दिव्य पथ संस्थान, नर्मदा मंदिर के सामने, अमरकंटक जिला-शहडोल म.प्र.48488	7629	269407		
2	श्री साधन जी	दिव्य पथ संस्थान, नर्मदा मंदिर के सामने, अमरकंटक जिला-शहडोल म.प्र.484886	7629		269631	
3	श्री हरीश बाढेर	क्रास स्ट्रीट -3 स्मृति नगर - भिलाई 490020	788	2294670		
4	श्री एन.एस.पुरानिक	ए-1 प्राविजन स्टोर्स के पास, न्यू शांति नगर, रायपुर पो.-शंकर नगर, रायपुर छ.ग	771	2428391		
5	श्री राजन शर्मा	अभ्युदय संस्थान, ग्राम -अछोटी पो. मुरमुंदा जिला - दुर्ग (छ.ग.)	7821	258222		
6	अंजनी/मीना गढ़ीदिया	अभ्युदय संस्थान ग्राम अछोटी पो.मुरमुदा जिला दुर्ग छ.ग.	771	2250502		098271-63217
7	दिनेश राठौड	महाराजा होटल फाफाडीह चौक, रायपुर (छ.ग.)	771	2525458	2527458	
8	उमेशकुमार देवांगन	क्वा.नं.एफ.21 कालोनी शा. इजी.महा.रायपुर	771	2253791		
9	ए.एस. गुरू गोस्वामी	प्राकृतिक चिकित्सक आनंद नगर रायपुर				
10	सोमदेव त्यागी	13/212 नहरपारा रायपुर	771	2523836		7713300400
11	कु. हीना चावडा	चावडा कृषि फार्म, सिरसा कला भिलाई -3 जिला -दुर्ग (छ.ग.)	788	2710358		
12	रंजीत /अलका गढ़ीदिया	269 समता कालोनी रायपुर गायत्री मंदिर के पास	771	2255176	2525356	
13	बी. आर. अग्रवाल	14 नार्थ एवेन्यू चौबे कालोनी रायपुर छ.ग.	771	2254002		
14	डॉ. संकेत ठाकुर	बी 70 गायत्री नगर रायपुर (छ.ग.)	771	3202642		094252-12205
15	कल्पेश वरू	अभ्युदय संस्थान, ग्राम -अछोटी पो. मुरमुंदा जिला- दुर्ग (छ.ग.)				
16	दिनेश उपाध्याय	अभ्युदय संस्थान, ग्राम -अछोटी पो. मुरमुंदा जिला - दुर्ग (छ.ग.)				
17	धीरेन्द्र /अनिता शाह	सत्यम् बाल संस्थान व्ही.आई. पी. रोड रायपुर	771	2253850	2425370	
18	सुरेशकुमार चन्द्र[illegible]	अकतई पोष्ट खुरपा जिला- दुर्ग				
19	ओ.पी.तिवारी	देश लहरा नगर दुर्ग छ.ग.451002	788	2325533		
20	अनिल /सरिता खरे	केला बाडी दुर्ग (छ.ग.)	788	2329687		
21	नरेन्द्रकुमार मिश्रा	सौभाग्य सदन वैशाली नगर भिलाई				
22	रमेश पंजवानी	शुभम वस्त्रालय शास्त्री चौक धमतरी छ.ग.	7722	232562	235062	
23	श्री बंशीलाल श्रीवास्तव	माहूर बन्दपारा पोष्ट कांकेर जिला-कांकेर छ.ग.449334	7868	223423	222124	
24	दिनेश जैन, लोकेश साहू	ग्राम /पो. -आंवरी (चारामा)जिला -कांकेर(छ.ग.)494337	7868	263650	263660	
25	श्री गोपाल दुर्गासी, मरकाम, दीवान	ग्राम /पो. -चारामा जिला -कांकेर(छ.ग.)	7868	263293	263645	
26	डॉ.ऋषि राज गौड.	राष्ट्रीय मूल्य शिक्षा केन्द्र, आई. आई. टी.नई दिल्ली	112	6851352	6591908	
27	संजीव जैन	36वैशाली अपार्टमेन्टआई.आई.टी.हौजखाज, नई दिल्ली 110016	11	26591593		
28	चन्द्र प्रकाश अरोरा	सी. 3/3082 बसन्त कुंज नई दिल्ली 70				
29	नरेश कुमार	जी 20 / 178 सेक्टर 7रोहिणी, दिल्ली -85	11	27054477	20554601	
30	डॉ. भंवर सिंह	आर. जेड -7 संगम चौक एच-ब्लाक वेस्ट सागरपुर नई दिल्ली - 46	11	253934610		09811-615566
31	प्रीती चौहान	62/9 किशन गढ बसन्त कुन्ज नई दिल्ली 110070	11	26125601		
32	गीता कटारिया	142/ किशन गढ बसन्त कुन्ज नई दिल्ली				
33	श्री पाल सिह	142/9 किशन गढ बसन्त कुन्ज नई दिल्ली				98682-34683
34	श्री योगेन्द्र सिंह चौहान	सिटी इलेक्ट्रोनिक्स 44बी/9 किशनगढ बसन्त कुन्ज नई दिल्ली 110070	11	26125601	31142140	
35	डॉ. सत्येन्द्र	एफ.7/3 ईस्ट ज्योति नगर दिल्ली 110023	11	22124324		
36	अशोक /शीला	1461 sec 37 नोएडा 201303 उ.प्र.	120	24572977		
37	प्रवीण सिह	26 रंजीत सिह ब्लाक एसियन गम भिलेज नई दिल्ली 110049	11	26493256		
38	रमेश रस्तोगी	सी 3/125 सेक्टर 36नोएडा उ.प्र.	120	3967884		9810179080
39	श्री संतोष कुमार गुप्ता	प्राइमरी स्कूल के सामने नागौद सतना (म.प्र.)	7673	232057		
40	श्री जमुना प्रसाद गुप्ता	प्राइमरी स्कूल के सामने नागौद सतना (म.प्र.)	7673	232167		
41	श्री त्रिभुवन सिंह परिहार	शांति कुटीर सिविल लाइन नागौद जिला -सतना (म.प्र.)	7673	232348		
42	श्री यशवंत कुमार सिन्धु स्व.से.	'सत्संग कुटी'' रेखा टोला (जसोरोड)नागौद जिला - सतना म.प्र.				
43	प्रदीप पूरक	जीवन विद्यालय शक्तिनगर, बिजनौर उ.प्र.246701				
44	रणसिंह आर्य, श्री देशपाल सिह	जीवन विद्या प्रतिष्ठान गोविन्दपुर खारी (झालू) जि. बिजनौर	1342	287060	287511	
45	श्री प्रेम सिंह,	बडोखर (खुर्द) जिला- बांदा (उ.प्र.)	5192	225001	272141	9415557444
46	श्री जगवीर सिंह	ग्राम पालीबादशहपुर (गढ़िया)पो.-बरोली बासदेवपुर जिला-बुलन्दशहर उ.प्र.245	5736	271255		

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

47	नरेन्द्रकुमार झाबुआ	बी./145/पी.टी.एस./एम.पी. सी.कहलगनंद भागलपुर बिहार				
48	राममिलन यादव	ग्रा.पोष्ट पाली जिला-कोरबा छ.ग. 495449	7816	232005		
49	श्री भगवान सिह/अरुणा परमार	नौगाँव जिला - छत्तरपुर (म.प्र.)	7685	56634		098251-44743
50	अभय बानखेड़े	कृषि विज्ञान केन्द्र सिवनी म.प्र. वी.पी.	7162	242431		
51	के.एन.द्विवेदी	शिवपुरी म.प्र. कार्यालय	7492	234418		
52	गणेश पटेल	16 अनिल नगर ए.बी. रोड सोपा आफिस के पास इन्दौर		2555708		
53	दिलीपसिंह/श्री लक्ष्मीसिंह	ग्रा. मनवार पोष्ट मनवार जिला-छतरपुर (म.प्र.)				
54	आनन्द मोहन लाल शर्मा	उबर गाँव टाउन जिला - बलसाड गुजरात	260	2563013		
55	समर पाल सिह/ श्री धूम सिह	नि.ग्रा मौजीपुर (गोबिन्दपुर)पो. खारी जिला- बिजनोर (उ.प्र.)	1342	287090		
56	सत्य प्रकाश भारत	मैत्री केन्द्र,कौन्डण्यपुर रोड कुरहा,ताकुला -तिवसा अमरावती 444909				
57	श्री रुकम पाल सिह	ग्राम /पो. कौंतीर (एस) उ.प्र.	5744	24543		
58	श्री गणेश/अर्चना बागड़िया	डी-41/4 वेस्ट कैम्पस एच. बी. टी. आई. कानपुर -2	512	2581669		
59	श्री कुमार संभव,अशोक भट्ट	मानवीय शिक्षा संस्कार संस्थान ,निकट वनखण्डेश्वर मंदिर विठूर रोड मंधना - क	512	2780780		
60	श्री पवन /अनुराधा गुप्ता	'सिद्ध'' हेजलवुड,लेन्ढौर केण्ट मसूरी (उत्तरांचल)248179	135	2631304		
61	श्री अशोक सिरोही	जीवन विद्या अध्ययन संस्थान ग्राम-टांडा (बिलारी)जिला -मुरादाबाद (उत्तरांचल	5921	241479	271224	9412374055
62	श्री सुरेन्द्र /सुनीता पाठक	ई-5/189, अरेरा कालोनी ,भोपाल (म.प्र.)	755	5284235		
63	श्री भारत भुषण त्यागी	चैतन्य शिक्षा संस्थान ,ग्राम-बिहटा (स्याना) जिला-बुलन्दशहर (उ.प्र.)	5736	265497		9412568747
64	धीरेन्द्र/ रश्मि चतुर्वेदी	संयुक्त संचालक निवास ,पी.एस.एम. कैम्पस जबलपुर (म.प्र.) 464001	768	2621771	2628774	
65	श्री रामजी भाई	प्लाट नं. 10 आडके नगर देवलाली कैम्प पि.422401 जिला - नासिक (महाराष्ट्र)	253	2494417		
66	श्री अवधेश कुमार श्रीवास्तव	आर.बी. /22 बी,सिविल लाइन्स -नागौद जिला- सतना (म.प्र.)	7673	232034		
67	बिहारी लाल राम भक्त चाडक	मंगला धाम गैस गोडाउन के बाजू में ईगत पुरी जिला -नासिक महाराष्ट्र	2553	244291		
68	बाबूसिंग नायक	जीवन जागृति केन्द्र ग्राम गढ्ढली पोष्ट रंभापुर जिला-झाबुआ (म.प्र.)	7390	286314		
69	सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव	क्वा.नं. 27 आफिसर कालोनी थादन्ला जिला-झाबुआ	7393	276207		
70	बी. एल. दायमा	मालवीय नगर, इंदौर म.प्र.				
71	जगदीश सिसोदिया	प्रतापगली रानापुर जिला -झाबुआ म.प्र.	7392	283611		
72	अमित कुमार	इ .ओ. 254 सेक्टर क्यू अलीगानी लखनउ				9415267954
73	उमेश गिरि	ग्राम मुझानी पो. गुरावली जिला बुलन्दशहर उ.प्र.	5734	282343		9412611830
74	किरण बडोदकर	भोजपुरी कालोनी प्लांट नं. 48 सागौर कुटीर चौराहा पीथमपुर से. 3 जिला धार		501636		
75	भूपेन्द्र सिंह गौतम	इन्द्र पुरी कालोनी ललित कूंज थांदला जिला -झाबुआ ४५७७७७	7390	277380		09425 102449
76	नंद कुमार श्रीवास्तव	वार्ड नं. शीतगृह के पीछे मनेन्द्र गढ 497442				
77	तेज पाल सिह	गोबिन्दपुर रामपुर जिला बिजनौर उ. प्र.	1342	287625	287060	
78	सुमित कुमार श्री कृष्ण पाल	ग्राम लहोडडा पो. खतौली जिला मुजफ्फर पुर नगर उत्तरप्रदेश 251201				
79	श्री मति गीता सोनी एन.जी.ओ.	विकास नगर पाण्डे कालानी मकान नं. 68विदिशा म.प्र.	7592	237365		
80	श्री मति आभा सिह	ग्राम/ पो. मोहन पुर जिला एटा उ.प्र.	5744	272444		
81	प्रो. एस.सी. सक्सेना	कृष्णा कालोनी विदिशा	7592	235272		9827388816
82	चेतन पुण्डीर	ग्राम /पो. कांतीर जनपद एटा उ.प्र.207401	5744	2724040		9837386350
83	गणेश दत्त तिवारी	डां कन्हैया लाल के पीछे शंकरगढ (मकरौनिया) सागर उ.प्र.		232645		
84	सुशील सिह	ग्राम अखई पों. गुरेह जिला -बांदा उ.प्र.210001	5192	281262		
85	सुश्री अमीता कपूर	बी 211, पुष्पा भवन ,टेलीफोन भवन के सामने, कुलाबा,मुंबई 400005	22	22841179		
86	श्री नरेश कुमार सिंह 'नन्दन'	ग्राम /पो. मोहनपुर, जिला -एटा उ.प्र. 207401	5744	272444		098371-30898
87	सत्य पाल सिह पुन्दीर	ग्राम/पो. -बेरी, जिला- एटा उ.प्र.	5744	272462		
88	श्री सुरेश प्रताप गांधी(पूर्व विधायक)	सिकन्दराराऊ जिला - हाथरस / अलीगढ	5721	244693		
89	श्री रामयश तिवारी	9 एम. आई.जी. सुधार न्यास कालोनी, सिरमौर चौराहा, रीवा	7662	240217	231932	
90	श्री योगेन्द्र सिंह पाल	32-ए, सराय मसवान पुर निकट आवास विकास नं. 03, कानपुर 19	512	2514892		
91	श्री जगत राम तिवारी एडवोकेट	ग्राम - जौरही पो. जौरही जिला बांदा उ.प्र.	5192	251104		
92	श्री अवधेश कुमार	C/oश्री लक्ष्मी चन्द सिहल 681/22 पंजाया ब्रह्मपुरी मेरठ उ.प्र.	121	2516863	2519509	
93	श्री सुरेश भाई	ग्रा./पो.- सूपा जिला -महोबा उ.प्र.	5283	283717		
94	महेश चतुर्वेदी	128 गोपाल कालोनी झाबुआ (म.प्र.)	7392	242625		

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal